Shri Parshvanathajayamala

श्रीपार्श्वनाथजयमाला

Document Information

Text title : pArshvanAthajayamAlA

File name : pArshvanAthajayamAlA.itx

Category : deities_misc, jaina

Location : doc_deities_misc

Proofread by : DPD

Latest update : March 31, 2019

Send corrections to : Sanskrit@cheerful.com

This text is prepared by volunteers and is to be used for personal study and research. The file is not to be copied or reposted without permission, for promotion of any website or individuals or for commercial purpose.

Please help to maintain respect for volunteer spirit.

Please note that proofreading is done using Devanagari version and other language/scripts are generated using **sanscript**.

December 3, 2021

sanskritdocuments.org

श्रीपार्श्वनाथजयमाला

अथ श्रीपार्श्वनाथ जयमाला ।

वन्दे तं जिनपार्श्वनाथमनघं ! रत्नत्रयालङ्कृतं
ह्रीं बीजं मतिदुःखदावशमनं घोरोपसर्गापहम् ।
देवेन्द्राधिपतिं खगाधिपनतं वन्ध्यापिनारीसुतं
पद्मिनीसतिशासनं भयहरं नागेन्द्रसेवान्वितम् ॥ १॥

अमरनाथगणाधिपवन्द्यं मुनिजनार्यासेवितपादम् ।
भक्तिनम्रभवसागरपोतं वाक्यामृतरसपोषितभूतम् ॥ २॥

कृतोपसर्गं कमठैर्रिष्ठं जितवारातिभवान्तरश्रेष्ठम् ।
कुण्डलकुण्डलिनीकृतछत्रं वारितमेघाडम्बरशास्त्रम् ॥ ३॥

कर्मपर्वतहतासमवज्रं भयतमवारणसूर्यसुसज्जं
केवलज्ञानविलोकनदक्षं बोधितलोकालोकविपक्षम् ॥ ४॥

राजितसमवसरणसुनिधानं चामरछत्रसिंहासनभानम् ।
सुरासुरखेचरतिष्ठति सौख्यं द्वादशभासाहितसन्मुख्यम् ॥ ५॥

धर्मप्रकाशितलक्षणसहितं मूलदयानिधिपापविरहितम् ।
जन्तूत्तारणसमरथसूरं भव्यकमलवाक्यामृतपूरम् ॥ ६॥

देवी पद्मावति वामे विशालं रक्षतु शासनमुखद्रुमजालम् ।
दक्षिणदिशि सोहै फणिराजं विघ्ननिवारणदेवविराजम् ॥ ७॥

ईदृग् विधि पार्श्वजिनं प्रणम्यं अनन्तचतुष्टयगम्यागम्यम् ।
ये नरनारि त्रिकालं पूजन्ति ते मन वछित सफल लहन्ति ॥ ८॥

नाग नागिणी अतिशय धारी उधर्या दम्पती जनसुखकारी ।
क्रधोरघनदुःखनिवारी वञ्च्छितफल अतिदायक भारी ॥ ९॥

धत्ता (मालिनीं !)

आपद्विविधहारी सम्पदासौख्यकारी
त्रिभुवनपदधारी सिद्धिलोकाग्रसूरी ।
जलबहुविधपूरैर्गन्धमाल्यादिसारै-
जिनवरमुखबिम्बं पूजितं भावभकया ॥ ९॥

ॐ ह्रीं क्रौँ महार्थम् ॥

इति श्रीपार्श्वनाथ जयमाला सम्पूर्णा ।

Proofread by DPD

Shri Parshvanathajayamala

pdf was typeset on December 3, 2021

Please send corrections to *sanskrit@cheerful.com*